

सैनिक कल्याण अनुभाग,
राज्य सरकार,
अन्तर प्रदेश शासन

सेवा में,

1. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, 3000 श्रेणी ;
2. समस्त विभागाध्यक्ष/प्रमुख कार्यालयीय, 3000 ;
3. समस्त मण्डलाध्यक्ष/जिलाधिकारी, 3000 ।

सैनिक कल्याण अनुभाग

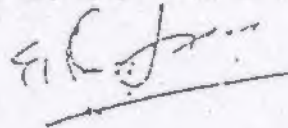
तकतक: दिनांक: 27 जुलाई, 1999.

विषय: कारगिल की लड़ाई में 3000 के वीरगति प्राप्त सैनिकों की पत्नियों का राज्याधीन समूह "ग" एवं "घ" पदों पर सेवायोजन ।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सम्बंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि 3000 श्रेणी द्वारा कारगिल युद्ध में वीरगति प्राप्त सैनिकों के आश्रितों के पुनर्वासन/कल्याण को ध्यान में रखते हुए सम्पूर्ण विचारोपरान्त विचार लिया गया है कि कारगिल की लड़ाई में वीरगति प्राप्त 3000 के मूल निवासी सैनिकों की पत्नियों को निम्न स्थितियों के आधार पर 3000 लोक सेवा आयोग के क्षेत्र के बाहर के राज्याधीन समूह "ग" एवं "घ" के तीथी श्रेणी के पदों पर सेवायोजित किया जाए ।

1. यह सेवायोजन कारगिल युद्ध में वीरगति प्राप्त 3000 के सैनिकों की पत्नियों को प्रदान किया जायेगा ।
2. सेवायोजन 3000 लोक सेवा आयोग की परिधि के बाहर के समूह "ग" एवं "घ" श्रेणी के तीथी श्रेणी के राज्याधीन पदों पर ही किया जायेगा ।
3. सेवायोजन हेतु प्रतिबन्ध होगा कि वीरगति प्राप्त सैनिक की मृत्यु पूर्व ही राज्य सरकार अथवा केन्द्र सरकार या राज्य के स्वायत्तवाधीन किसी निगम/उपक्रम में सेवायोजित न हो तथा वह आवेदन पत्र के लिए विचारित अर्जा रखती हो ।



नियुक्ति की तारीख को मृत्यु के 10 वर्षों के आयु पूर्ण होने पर
यदि आयु 10 वर्ष से कम हो तो 10 वर्ष के आयु पूर्ण होने पर

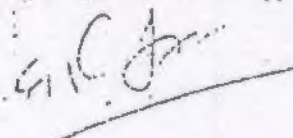
5. एवं शासनादेश एक ही स्वरूप हो ।

6. इस आदेश के अधीन कोई नियुक्ति विद्यमान स्थिति के प्रति हो जायेगी ।

7. इस शासनादेश के अधीन नियुक्ति के लिये आवेदन पत्र तब तक पर नियुक्ति अभिलेखित है जब तक के नियुक्ति प्राधिकारी को सम्बोधित किया जायेगा । आवेदन पत्र नियुक्ति प्राधिकारी को लौटि भेजा जाय तथा इसकी प्रतिलिपि सम्बन्धित जिले के जिलाधिकारी या सैनिक कल्याण अधिकारी को प्रेषित किया जाय । आवेदन पत्र के साथ आवेदक अपनी आयु एवं शैक्षिक अर्हता के प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि संलग्न करेंगे । साथ ही वीर-गति प्राप्त सैनिक को दिवंगत भी दिया जायेगा ।

8. यदि किसी वीरगति प्राप्त सैनिक को पत्नी इस शासनादेश के अधीन सेवायोजन हेतु इच्छुक न हो तो उन्हें राज्य सरकार द्वारा रुपये- 5,000/- (रुपये पांच हजार) प्रतिमाह की पेंशन सुविधा प्रदान की जायेगी । प्रतिबन्ध यह होगा कि सेवायोजन अथवा पेंशन में से केवल एक ही सुविधा अनुभूत होगी । इस सम्बन्ध में सैनिक कल्याण अनुभाग द्वारा अलग से विस्तृत आदेश जारी किये जायेंगे ।

9. इस शासनादेश के अधीन सेवायोजन चयन सम्बन्धी अन्य प्रक्रियाओं से मुक्त होगा तथा अन्य किसी आदेश में प्रतिदूत बात के होते हुए भी यह शासनादेश प्रभावित होने की तिथि से लागू माना जायेगा ।



भवदीय,

योगेन्द्र नारायण
मुख्य सचिव ।

.....3/-

ਸਿੱਖ :—

1. तहसिल, श्री राज्यपाल, लखनऊ ।
2. तहसिल, माननीय मुख्यमंत्री, लखनऊ ।
3. तहसिल, लोक सेवा आयोग, उ०प्र० ।
4. तमस्त मा० मंत्री गण के निजी तहसिल को मा० मंत्री जी के लुखनाये ।
5. नियन्त्रक, उच्च न्यायालय, उ०प्र० झाडावादे/लखनऊ ।
6. तहसिल, विधानसभा/विधान परिषद, उ०प्र० ।
7. निदेशक, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, उ०प्र० लखनऊ ।
8. तमस्त जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ।
9. तमस्त कौषाधिकारी, उ०प्र० ।
10. तहसिलालय के तमस्त अनुभाग ।

अतः चै,

400

४ होतिला पुताद वर्ना ४०

राजिद्व १

2.